श्री उपसभापति : कुछ तमाशा चलने दीजिए ।

SHRI NRIPATI RAJNAN CHOUDHURY (Assam): Sir, before the zero Inur, they raised that pint and we are still with the Civil Aviatirn question.

MR. DEUPTY CHAIRMAN : This was concluiei with my observations. Please take your seat.

SHRI NRIPATI RANJAN CHOUDHURY : Sir, I want t say something.

MR. DEPUTV CHAIRMAN : That matter has been concluded. N w, Missig; fram th: L ik Sabha.

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

The Prevention of Publication of Objectionable Matter (Repeal) BUI, 1977

SECRETARY-GENERAL : Sir, I have to report to the Hcuse the following message received from the Lok Sabha signed by the Secretary-General of the Lok Sabhat

"In accordance with the provisions of Rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose herewith the Prevention of Publication of Objectionable Matter (Repeal) Bill, 1977* as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 6th April, 1977-"

Sir, I lay the Bill on the Table.

REFERENCE TO MISREPORTING OF THE PROCEEDINGS OF THE HOUSE BY ALL INDIA RADIO

श्री श्याम लाल यादव (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, मैंने एक विशेषाधिकार का प्रश्न उठाने की इजाजत के लिए आपको लैटर भेजा था। यह विशेषाधिकार का प्रश्न आल इंडिया रेडियो में जो संसद् समीक्षा 4 अप्रैल की रात में प्रसारित की गई उसके बारे में है । हमें दुख है कि सरकार की तरफ से आल इंण्डिया रेडियो को निष्पक्ष बनाने की घोषणा की गई है और बार बार, आज भी सदन में कहा गया । लेकिन 4 तारीख को जो प्रसारण हुआ वह सदन में नेता विरोधी दल के भाषण को तोड़ मरोड़ कर रखा गया और उनके विरुद्ध एक ऐसा आरोप प्रसारित किया गया जो इस सदन में किसी भी सत्तारूढ़ दल के सदस्यों ने नहीं लगाया था ।

मान्यवर, उस दिन जब नेता विरोधी दल बोल रहे थे तो श्री लक्ष्मणन् उसमें टोकाटाकी कर रहे थे । उस पर उन्होंने कहा था—'मान्यवर, हमारे लक्ष्मणन् इस आदरणीय सदन के वही सदस्य हैं जो, ऐसा लगता है, कि सोए रहते हैं, सोए सोए एकदम भड़क उठते हैं। उनको मान्यवर, यह भी पता नहीं था कि . . . ,। इस पर कि श्री सुन्दरसिंह भंडारी ने कहा—'उनको भंग पीने की आदत नहीं है। तब नेता विरोधी दल ने कहा—'भंग अगर न पीते होंगे तो बिना भंग पिए मूर्छा आ जाती है। आपके पास कोई इलाज है तो कर दीजिए।' यह तो सदन में घटना हुई और प्रसारण उसका 4 तारीख को यह किया गया —

'श्री त्रिपाठी के भाषण के दौरान सत्तारूढ़ तथा विपक्षी सदस्यों के बीच टोकाटाकी, आक्षेप तथा हंसी-मजाक भी चलता रहा । एक बार उनके भाषण के दौरान डी० एम० के० सदस्य श्री लक्ष्मणन् ने जब उन्हें टोका तो उन्होंने व्यंग कसा कि श्री लक्ष्मणन् तो सोते हुए भी जागते रहते हैं। इस पर सदन में हंसी फूट पड़ी । जनता पार्टी के सदस्य भी भला कब चूकने वाले थे । एक सदस्य ने तो मजाक में यहां तक कह दिया कि त्रिपाठी जी आप तो भंग पिये रहते हैं । परन्तु त्रिपाठी जी भी जवाब देने में न चूके । उनका कहना था कि आप तो बिना भंग